E-Learning Study Material

By Prof (Dr.) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS University, Ara, Bihar

B.A. Economics Hons second year
Third Paper

Present Position of Sugar Industry in India :-

"India is the world's Largest producer of Sugarcane and second ~~largest~~ Largest producer of Sugar after Cuba. But India becomes the largest producer if gur and Khandsari are also included. This industry involves a total Capital investment of Rs. 1250 Crore and provides employment to 2.86 Lakh workers and 2.50 crore cane farmers are also benefited from this industry."

भारत में चीनी उद्योग की का विकास :-

भारत में चीनी निर्माण की एक बहुत ही पुरानी परम्परा है। भारतीयों द्वारा चीनी बनाने के संदर्भ में विभिन्न तथ्यपरक जानकारी

Scanned with CamScanner

अर्थव्यवस्था में भी पाये जाते हैं। भारत को सही मायने में चीनी की मातृभूमि कहा जाता है। लेकिन प्राचीन समय में, केवल गुड़ और खांडसारी बनाये जाते थे और मॉडर्न चीनी उद्योग केवल 19वीं शताब्दी के मध्य में भारतीय परिदृश्य पर आया था, जब इसे उत्तर बिहार में डचों द्वारा लगभग 1840 में पेश किया गया था।

दुर्भाग्य से यह प्रयास सफल नहीं हो पाया इंडिगो प्लांटर्स द्वारा 1903 में अंग्रेजों की पहल पर पहला प्रयास किया गया था, जब उत्तर पूर्वी यूपी तथा इससे लगे बिहार के पुरसा, प्रतापपुर, बाराचकिया और मारवाहा तथा रोज में वैक्यूम पैन मिलें शुरू की गयी थी। 20वीं शताब्दी के प्रारम्भिक वर्षों में तेजी से विकास हुआ और 1920-21 में केवल 18 मिलें और 1930-31 में 29 मिलें थी। 1931 में राजकोषिय संरक्षण के बाद इस उद्योग को एक बड़ी उपलब्धि मिली और 1936-37 में मिलों की संख्या बढ़ कर 137 हो गयी इस काल में उत्पादन 1.58 लाख टन से बढ़ कर 9.19 लाख टन हो गया।

द्वितीय के दौरान और उसके बाद उद्योग अनिश्चित दौर से गुजरा और कुछ स्थिरता का अनुभव 1950-51 के बाद ही हुआ 1950-51 में 11.34 लाख टन चीनी का उत्पादन करने वाली 139 मिलें थी। इसके बाद योजनाकाल प्रारम्भ हुआ और उद्योग ने तेजी से प्रगति की

Scanned with CamScanner

वर्ष 1994-95 में 420 मिलें थी जो 148 लाख टन चीनी का उत्पादन करती थी।

नीचे दिये गये तालिका से पता चलता है कि वर्ष दर वर्ष के आंकड़े उत्पादन में बहुत भिन्नताएँ दिखाते हैं, हलाँकि दीर्घकालिक आधार पर उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई है।

तालिका – A (भारत में चीनी का उत्पादन लाख टन)

वर्ष –	1950 51	1960 61	1970 71	1980 81	mo 91	1996 97	2002 03
उत्पादन	11.34	30.29	37.4	51.48	120.47	153.03	189

चीनी उद्योग का स्थानीयकरण :- भारत में चीनी उद्योग गन्ने पर आधारित है। गन्ने को अधिक समय तक संग्रहीत नहीं किया जा सकता है क्योंकि सुक्रोज सामग्री का नुकसान होता है इसके अलावा लम्बी दूरी तक नहीं ले जाया जा सकता है क्योंकि परिवहन लागत में वृद्धि से उत्पादन लागत में वृद्धि होगी साथ ही रास्ते में गन्ना सूखने का भय रहता है। अतः इस उद्योग का विस्तार गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में ही सुरक्षित रूप से हो पाता है। और इस उद्योग का स्थानीयकरण हो जाता है।

Scanned with CamScanner